• बाल कविता...

चलो मनाएं पिकनिक

चलो, मनाएं हम भी पिकनिक!
नदी किनारे रामबाग है,
रामबाग है हरा-भरा,
फूलों की घाटी है सुंदर
जैसे जादू वहाँ भरा।
जल्दी चलो, करो तैयारी,
नहीं चलेगी मम्मी, झिक-झिक!
पापा जी भी संग चलेंगे
छुट्टी है, प्यारा इतवार,
दीदी ले लो टेप-रिकार्डर
डांस करूंगा मैं इस बार।
पप्पू घोड़ा बन जाएगा,
फिर दौड़ेगा वह तो तिक-तिक!
खाना-पीना, उछल-कूद भी
मौसम प्यारा-प्यारा है,
आज मनेगी सबकी पिकनिक
यह आदेश हमारा है!
खूब कहकहे आज लगेंगे,
जो रूठेगा, उसको धिक-धिक!

■ प्रकाश मनु

• चुटकुले...

दामाद 14 दिनों से ससुराल में था...

सास – दामाद जी कब वापस जा रहे हो...?

दामाद – क्यों...?

सास – बहुत दिन हो गए...

दामाद – आपकी बेटी तो दस–दस महीने मेरे यहां रह रही है, मैंने तो जाने को नहीं बोला...

सास – दामाद जी, वो तो आपके यहां ब्याही गई है...

दामाद – और मैं क्या यहां अपहरण करके लाया गया हूं...?

चिंटू : ये पेंटिंग कितने की है?

दुकानदार : 7 लाख की। ये ऑयल पेंटिंग है।

चिंटू : तुम पैसे की टेंशन मत लो। कुछ देसी घी में भी दिखाओ।

दुकानदार : बेहोश

• जानकारी...

सबसे शक्तिशाली जानवर

दुनिया में तरह-तरह के जानवर रहते हैं। इनमें कुछ जानवर खूंखार होते हैं, तो कुछ बहुत ही शांत होते हैं। कोई मांस खा कर अपना पेट भरता है, तो कोई घास-फूस खाता है। कुछ जानवर ताकतवर होते हैं, तो कुछ कमजोर भी होते हैं। कुछ जानवर ऐसे भी होते हैं, जो खतरनाक तो नहीं होते लेकिन बहुत शक्तिशाली होते हैं। इसी कड़ी में हम उन जानवरों के बारे में जानेंगे जो खतरनाक तो नहीं होते हैं, लेकिन उनका शरीर पहाड़ की तरह मजबूत होता है। ये जानवर स्वभाव से शांत होते हैं लेकिन इनमें ताकत बाकी जानवरों से कहीं ज्यादा होती है। अगर इन्हें परेशान न किया जाए तो ये किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इनके शरीर में इतनी ताकत होती है कि वो एक झटके में ही सैकड़ों किलो वजन उठा सकते हैं। तो चलिए आज

▸▸ बेल्जियम ब्लू बुल दुनिया के सबसे ताकतवर जानवरों में से एक है। ये सांड शेर या बाघ की तरह खतरनाक तो नहीं, लेकिन मजबूत कदकाठी के होते हैं। इनका वजन 1200 किलो यानी 12 टन होता है और ये 900 किलो वजन को बड़े आसानी से उठा सकते हैं।

▸▸ हाथी बहुत बड़ा जानवर होता है। इसके सामने शेर, बाघ भी एक बार आने से घबराते हैं। हाथी भारत में तो पाए ही जाते हैं, विश्व के दूसरे देशों में भी इनकी जनसंख्या देखने को मिलती है। हाथियों में अफ्रीकी हाथियों को सबसे ताकतवर माना जाता है। इनका वजन 6 हजार किलो तक भी हो सकता है और ये अपनी सूंड से 300 किलो तक वजन उठा सकता है। ऐसे में आप इनकी ताकत का अंदाजा लगा सकते हैं।

▸▸ गैंडा शरीर से बड़ा जानवर होता है। ये सबसे भारी और ताकतवर जानवरों में से एक होता है। इनका औसत वजन 2000 से 3000 किलोग्राम तक होता है। कुछ गैंडे 3500 किलोग्राम वजन के भी होते हैं। ये इतने बलशाली होते हैं कि अगर इनको गुस्सा आ गया तो ये बड़े से बड़े जानवर को धूल चटा सकते हैं।

▸▸ दरियाई घोड़ा शांत जानवरों में से एक माना जाता है जब तक इसे छेड़ा न जाए। अगर ये गुस्से में आ जाए तो अपने आगे किसी को टिकने नहीं देता और उसके छक्के छुड़ा देता है। एक दरियाई घोड़े का वजन करीब 4 हजार किलोग्राम तक हो सकता है।

• तेनालीराम

सात जूते मारने वाली चमेली...

चाननपुर गांव में चांदकुमारी नाम की एक रूपवती कन्या रहती थी। वह विवाह के योग्य हो गई थी लेकिन अपनी मां के व्यवहार के कारण उसका विवाह नहीं हो पा रहा था। उसकी मां का नाम चमेली था जो अपने पति माधो को रोज सात जूते मारा करती थी। यह बात दूर-दूर तक के लोगों को पता थी इसलिए कोई भी चांदकुमारी को अपनी बहु नहीं बनाना चाहता था।

वहीं दूसरी तरफ तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के कारण दरबारियों के साथ-साथ उसके कुछ रिश्तेदार भी उससे जलते थे। एक बार तेनालीराम घर पर आराम फरमा रहा था कि अचानक उसका एक दूर का रिश्तेदार चांदकुमारी का रिश्ता लेकर उसके घर पहुंच गया। वह भी तेनालीराम से जलनेवालों में से एक था। वह तेनालीराम के पास जाकर बोला, मैं एक रिश्ता लेकर आया हूं तुम अपने छोटे भाई का रिश्ता ले लो। वह ये नहीं जानता था की तेनालीराम का कोई भाई नहीं है। फिर भी तेनालीराम ने लड़की के बारे में पूछा, आखिर लड़की कैसी है?

तेनालीराम ने भी उसकी मां को बारे में बहुत कुछ सुन रखा था लेकिन फिर भी उसने रिश्ते के लिए हामी भर दी।

अब वह रिश्तेदार चमेली के घर पहुंच गया और उसने ये खुशखबरी चमेली को सुनाई। चमेली यह खबर सुनकर बहुत खुश हो गई। अब उसने महूर्त का समय तेनालीराम को जाकर बता दिया। तेनालीराम ने उसे खिला-पिलाकर विदा किया।उसके जाने के बाद तेनालीराम सोचने लगा कि अब छोटा भाई कहां से लाया जाए?

छोटे भाई की खोज में वह नगर की ओर चल पड़ा। वहां उसने एक परेशान नौजवान युवक को देखा। तेनालीराम ने उसके पास जाकर उसकी परेशानी का कारण पूछा तो उसने सारी बात बता डाली। तेनालीराम ने उसे काम देने का वादा कर लिया लेकिन उसके सामने एक शर्त रख दी।

तेनालीराम बोला, मैं जिससे कहूं तुम्हे उस लड़की से शादी करनी पड़ेगी।

वह युवक तैयार हो गया।

चांदकुमारी को विदा करते समय उसकी मां ने उसे भी अपने पति को रोज जूते मारने की सलाह दी। चमेली बोली, बेटी मैंने तेरे पिता को अपने वश में कर रखा है। अगर तू भी अपने पति को अपने वश में रखना चाहती है तो तू अपने पति को सात की जगह रोज पंद्रह जूते मरना।

चांदकुमारी ने अपनी मां की बातों पर हामी भर दी। अब जैसे ही बेटी चल दी तो चमेली ने माधो को उसके साथ जाने के लिए कहा। बेचारा माधो अपनी बेटी के साथ उसके ससुराल चला गया। चांदकुमारी ने ससुराल आकर देखा की तेनालीराम और उसके पति का स्वभाव तो बहुत अक्खड़ है। वह उनसे डरकर रहने लगी लेकिन वह फिर भी अपने पति को रोज पंद्रह जूते मार ही देती थी।

वही जब तेनालीराम ने माधो का टूटा बदन देखा तो वह समझ गया की यह जरूर सब उसकी पत्नी की वजह से ही ऐसा है। तब तेनालीराम ने माधो को चार-पांच महीने अपने पास रखकर उसे मोटा-तगड़ा कर दिया और फिर उसे अपने घर जाने को कहा।

जब माधो चलने लगा तो तेनालीराम ने उसे एक मोटा सा लोहा चढ़ा डंडा देते हुए कहा, डरने से कुछ नहीं होगा, यह सब तुम्हारी ही कमी है अगर तुम पहले से ही कठोर बनकर रहते तो ऐसा कभी नहीं होता।

डंडा लेकर माधो अपने घर पहुंच गया। माधो को घर देखकर चमेली बहुत खुश हो गई। उसने पहले तो माधो का अच्छी तरह स्वागत किया। वह मन ही मन बहुत खुश थी कि अब तो उसका पति मोटा हो गया है और वैसे भी मैंने कितने महीने से उसे जूते से नहीं मारा। अब तो जूते मारने में बहुत ही मजा आएगा।

जैसे ही वो जूता लाकर माधो को मरने चली तो माधो ने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया।

वहीं दूसरी तरफ तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के कारण दरबारियों के साथ–साथ उसके कुछ रिश्तेदार भी उससे जलते थे।

एक बार तेनालीराम घर पर आराम फरमा रहा था कि अचानक उसका एक दूर का रिश्तेदार चांदकुमारी का रिश्ता लेकर उसके घर पहुंच गया। वह भी तेनालीराम से जलनेवालों में से एक था...

• रोचक...

नार्वे...

नार्वे दुनिया के नक्शे में यूरोप महाद्वीप में स्थित एक देश है। ये महाद्वीप के उत्तर में है। उत्तरी ध्रुव के सबसे नजदीक होने के कारण ये बहुत ही ज्यादा ठंडा देश है। इस देश में बर्फीली पहाड़ियां है और ये ग्लेशियरों से भरा पड़ा है। नार्वे एक ऐसा देश है जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां कभी दिन नहीं ढलता है। जी हां, यहां बस 40 मिनट के लिए रात होती है, बाकी समय यहां सूर्य की रौशनी होती है। यहां रात 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूब जाता है और मात्र 40 मिनट के बाद उग जाता है। यहां रात के जैसे ही डेढ़ बजते हैं सुबह हो जाती है। काफी हैरत की बात है कि यह क्रम एक, दो दिन नहीं बल्कि पूरे ढाई महीने तक चलता है। नार्वे को कंट्री ऑफ मिडनाइट सन भी कहा जाता है। ये देश आर्किटिक सर्कल के अंदर आता है। यहां मई से जुलाई के बीच 76 दिनों तक सूर्य नहीं डूबता है। इसी तरह का दृश्य हेमरफेस्ट शहर में देखने को मिलता है। ये देखने में बहुत ही सुंदर लगता है।

• कब्रिस्तान में नया साल...

दुनिया में चिली एक ऐसा देश है जहां के लोग नए साल का जश्न अपने परिवार के उन लोगों के साथ मनाते हैं जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि उनके परिजन नए साल की विदाई और नए साल का स्वागत करने के लिए अपनी कब्रों में लौट आते हैं। इस दिन यहां के लोग अपने घरों को तो सजाते ही हैं साथ ही कब्रिस्तानों में भी सजावट की जाती है और आतिशबाजी के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है।